

भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2306
दिनांक 13 मार्च, 2025

इथेनॉल सम्मिश्रण का पर्यावरणीय प्रभाव

2306. श्री दर्शन सिंह चौधरी :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में स्वच्छ ऊर्जा के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उठाए जा रहे कदमों/किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार के पास इथेनॉल सम्मिश्रण के दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) देश में कार्बन उत्सर्जन को और कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या अतिरिक्त उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य हासिल करने के लिए कई पहलों की हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ पीएम-कुसुम, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, सौर पार्क और अल्ट्रा-मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए योजना, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों के लिए ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता (ईसीएसबीसी), सभी के लिए किफायती एलईडी द्वारा उन्नत ज्योति (उजाला) आदि जैसी पहलों के माध्यम से सौर और पवन ऊर्जा में निवेश के लिए समर्थन शामिल है। इसके अलावा, सरकार परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन को कम करने के लिए एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम, सतत (एसएटीएटी) को लागू कर रही है, राजसहायता और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए फेम योजना की शुरुआत की गई है तथा ईवी चार्जिंग स्टेशनों का एक व्यापक नेटवर्क बना रही है।

सरकार ने कार्बन उत्सर्जन में कमी को प्रोत्साहित करने वाली बाजार आधारित व्यवस्था का सृजन करने, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश को सुविधाजनक बनाने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत जून, 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) को अधिसूचित किया है और दिसंबर, 2023 में इसमें संशोधन किया।

अंतर-मंत्रालयी समिति द्वारा तैयार किये गए "भारत में एथेनॉल मिश्रण के लिए रोडमैप 2020-25" के अनुसार, एक सफल ई20 (पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण) के परिणामस्वरूप ई0 (शुद्ध पेट्रोल) की तुलना में ई20 का उपयोग करके दो पहिया वाहनों में लगभग 50% और चार पहिया वाहनों में 30% कार्बन मोनोऑक्साइड उत्सर्जन में कमी अनुमानित की गई है। दो पहिया वाहनों और यात्री कारों दोनों में हाइड्रोजन उत्सर्जन में 20% की कमी आने का अनुमान है।
